

## **JIVIKA women exhibiting their handmade products at Swadeshi Mela**

Bokaro | 20 January 2023 - The local handicraft artisans are getting the much-deserving opportunity to showcase their craft to the larger public at the Swadeshi Swavalamban Mela. Amongst them are the women beneficiaries of Vedanta-ESL CSR's Project JIVIKA who are exhibiting their handmade bamboo products, textile, mushroom, puffed rice, etc. at their stall which can be purchased at reasonable rates.

The Swadeshi Mela, currently ongoing at Sector-4, Bokaro, is yet another step in the direction of advancing the idea of building an AatmaNirbhar Bharat. The exhibition is live from 18 to 25 January 2023 from 10 am to 8 pm. Women beneficiaries of Project JIVIKA also have their products available on the Miri Circle app and one can book their desired choice of item through that app as well. It's a novel move which is also contributing towards making a Digital India possible.

Exhibitions like these bring the general public closer to the local creators and gives them a chance to support these vendors economically. Aligned parallelly with the idea of promoting local handloom and providing socio-economic empowerment to women, Vedanta-ESL's Project JIVIKA has successfully impacted lives of more than a thousand women and continues to be on the journey of creating a more equal society.

### **स्वदेशी मेले में उपलब्ध हैं जीविका महिलाओं के हस्तनिर्मित उत्पाद**

बोकारो | 20 जनवरी 2023 - बोकारो के सेक्टर 4 में चल रहे स्वदेशी स्वावलंबन मेले में स्थानीय हस्तशिल्प कारीगरों को अपने काम को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। इनमें वेदांता-ईएसएल सीएसआर के प्रोजेक्ट जीविका की महिलाएँ भी शामिल हैं जो अपने स्टॉल पर अपने हस्तशिल्प जैसे बांस के उत्पाद, कपड़े, मशरूम, मुरी, आदि प्रदर्शित कर रही हैं जिन्हें मामूली दामों पर खरीदा जा सकता है।

स्वदेशी मेला एक आत्म-निर्भर भारत बनाने की विचारधारा को संपन्न करने की दिशा में एक अनूठा कदम है। यह मेला 18 से 25 जनवरी 2023 तक सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक लगा हुआ है। इस मेले में लोग जीविका प्रोजेक्ट की महिलाओं द्वारा बनाये गए उत्पाद मिरि सर्किल ऐप पर भी बुक कर सकते हैं। यह एक अनूठा कदम है जो डिजिटल इंडिया को संभव बनाने की दिशा में योगदान दे रहा है।

इस तरह की प्रदर्शनियां आम जनता को स्थानीय शिल्पकारों के करीब लाती हैं और उनका आर्थिक रूप से समर्थन करने का मौका देती हैं। स्थानीय शिल्प को बढ़ावा देने और महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान करने के विचार के समानांतर वेदांता-ईएसएल के प्रोजेक्ट जीविका ने हजार से अधिक महिलाओं के जीवन को सफलतापूर्वक प्रभावित किया है और एक समान समाज बनाने की दिशा प्रदान करता रहा है।